



HARYANA - CET

संयुक्त योग्यता परीक्षा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

भाग - 2

सामान्य अध्ययन एवं कम्प्यूटर

HARYANA - CET

भारत का भूगोल

1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू-भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	16
5.	भारत की मिट्टी मृदा	24
6.	जलवायु	25
7.	भारत में खनिजों का वितरण	26
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	29
9.	परिवहन	32
10.	कृषि	36
11.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	38
12.	सौर मंडल (Solar System)	40
13.	पृथ्वी का वायुमण्डल	43
14.	भारत की प्राकृतिक वनस्पति	45

भारत का इतिहास

1.	प्राचीन इतिहास	51
	● सिन्धु घाटी सभ्यता	52
	● वैदिक काल	55
	● बौद्ध धर्म	58
	● जैन धर्म	60
	● महाजनपद काल	61
	● मौर्य वंश	62
	● गुप्त वंश	65
2.	मध्यकालीन भारत	69
	● भारत पर आक्रमण	69

● सल्तनत काल	70
● मुगलकाल	76
● भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	82
● मराठा उद्भव	83
3. आधुनिक भारत का इतिहास	85
● भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	85
● मराठा शक्ति का उत्कर्ष	88
● अंग्रेजो की भू-राजस्व पद्धतियाँ	90
● गवर्नर व वायसराय	92
● 1857 की क्रान्ति	97
● प्रमुख आन्दोलन	98
● कांग्रेस अधिवेशन	102
● भारतीय क्रांतिकारी संगठन	113
भारतीय राजव्यवस्था	
4. भारतीय संविधान	115
● भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास	115
● संविधान के भाग	123
● राष्ट्रपति की शक्तियाँ	145
● लोकसभा	157
● न्यायपालिका	172
● संविधान संशोधन	181
अर्थव्यवस्था	
1. अर्थव्यवस्था एवं इसके क्षेत्र	193
2. राष्ट्रीय आय	194
3. मुद्रास्फीति	195
4. बैंकिंग	198
5. बेरोजगारी एवं गरीबी	210
6. पंचवर्षीय योजनायें	212

❖ विविध



❖ दैनिक विज्ञान महत्वपूर्ण तथ्य

215

❖ कम्प्यूटर

234

भारत का भूगोल

भारतीय भूगोल (Indian Geography)

भारत का विस्तार

- भारत एक विशाल देश है। इसकी विशालता के कारण इसे उपमहाद्वीप की संज्ञा दी गई है यह विश्व का एकमात्र देश है जिसका नाम हिन्द महासागर से जुड़ा हुआ है।
- भारत की स्थिति उत्तरी गोलार्द्ध एवं पूर्वी देशांतर के मध्य में स्थित है।
- भारत की शक्ति चतुष्कोणीय है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार $8^{\circ}4'$ से $37^{\circ}6'$ उत्तरी गोलार्द्ध में है।
- अक्षांश कि दृष्टि से भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध तथा देशान्तर की दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध के मध्य में है।
- देशांतरीय विस्तार $68^{\circ}7'$ से $97^{\circ}25'$ पूर्वी देशांतर में स्थित है।
- भारत का विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां एवं जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एन.ए
चतुर्थ	यू. एन. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	ब्राजील
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
सप्तम	भारत	नाइजीरिया
अष्टम	अर्जेंटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,245
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,43,286
5.	झारखण्ड	1,60,205

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जो कि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.43% है।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% हिस्सा निवास करता है।
- उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है और पूर्व से पश्चिम में विस्तार 2933 किमी है।
- भारत का सबसे पूर्वी बिंदु अरुणाचल प्रदेश में वलांगु (किबिथू) है।
- सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात में गोरमाता सक्रिय (कच्छ जिला) में है।
- सबसे उत्तरी बिन्दु इन्द्रा कॉल है, जो कि केन्द्र शासित प्रदेश लेह में स्थित है।
- सबसे दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा पॉइंट है, इन्दिरा पॉइंट को पहले पिग्मेलियन पॉइंट और पार्सल पॉइंट के नाम से जाना जाता था इन्दिरा पॉइंट ब्रेट निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसकी भूमध्य रेखा से दूरी 876 किमी है।
- प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी भाग तमिलनाडु में केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) में स्थित है।
- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15200 किमी है।
- तटीय भाग की लम्बाई है 7516 किमी (द्वीप समूह मिलाकर)। केवल भारतीय प्रायद्वीप की तटीय सीमा 6100 किमी है।
- इस प्रकार की कुल सीमा $15200 + 7516.6 = 22716.6$ किमी. लम्बी है।
- भारतीय मानक समय रेखा $82^{\circ}30'$ पूर्वी देशांतर पर है। मानक समय रेखा 5 राज्यों से होकर गुजरती है।
- देश का मानक समय $82\frac{1}{2}^{\circ}$ पूर्वी देशान्तर है जो मैत्री (इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश) से गुजरता है।
 - उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर)
 - छत्तीसगढ़
 - मध्य प्रदेश
 - आंध्र प्रदेश
 - ओडिशा
- भारतीय मानक समय और ग्रीनविच समय के बीच अंतर 5.30 घण्टे का है। भारतीय समय ग्रीनविच समय से आगे चलता है।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 9 राज्यों से सीमा बनाता है।
 - उत्तराखण्ड
 - हरियाणा
 - दिल्ली
 - हिमाचल प्रदेश
 - राजस्थान
 - मध्य प्रदेश

- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- बिहार

- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल
- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- ओडिशा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़

- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं पड़ोसी देश

- भारत की कुल 15200 किमी सीमा रेखा 92 जिलों और 17 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- भारत की तटीय सीमा 7516 किमी है जो कि 9 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है। केवल प्रायद्वीप भारत की तटीय सीमा रेखा 6100 किमी है ।
- भारत के मात्र 5 राज्य ऐसे हैं जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा और तट रेखा को स्पर्श नहीं करते हैं -
 - हरियाणा
 - मध्य प्रदेश
 - झारखण्ड
 - छत्तीसगढ़
 - तेलंगाना
- भारतीय राज्यों में गुजरात की तट रेखा सर्वाधिक लंबी है। इसके बाद आंध्र प्रदेश की तट रेखा है ।
- भारत की सबसे छोटी तटरेखा गोवा राज्य की है ।
- त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है ।
- भारत के 7 पड़ोसी देश भारत की थल सीमा को स्पर्श करते हैं -
 - पाकिस्तान - 3323 किमी
 - चीन - 3488 किमी
 - नेपाल - 1751 किमी
 - बांग्लादेश - 4096.7 किमी
 - भूटान - 699 किमी
 - म्यांमार - 1643 किमी
 - अफगानिस्तान - 106 किमी (POK)

- भारत की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है।
- भारत सबसे छोटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा अफगानिस्तान के साथ साझा करता है जो कि केवल 80 किमी है।
- भारत के 2 पड़ोसी देश जो भारत की तटीय सीमा के साथ जुड़े हुए हैं
 1. श्रीलंका
 2. मालदीव
- ऐसे देश जो थल एवं जल दोनों सीमा बनाते हैं
 - पाकिस्तान
 - बांग्लादेश
 - म्यांमार
- पाकिस्तान के साथ भारत के 3 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं -

राज्य

1. पंजाब
2. राजस्थान
3. गुजरात

केन्द्र शासित प्रदेश

1. जम्मू कश्मीर
 2. लेह
- चीन के साथ भारत के 4 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं -

राज्य

1. हिमाचल प्रदेश
2. उत्तराखण्ड
3. सिक्किम
4. अरुणाचल प्रदेश

केन्द्र शासित प्रदेश

1. जम्मू कश्मीर
 2. लेह
- नेपाल के साथ भारत के 5 राज्य सीमा साझा करते हैं -
 1. उत्तराखण्ड
 2. उत्तर प्रदेश
 3. बिहार
 4. सिक्किम
 5. पश्चिम बंगाल
 - भूटान के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं

1. पश्चिम बंगाल
2. सिक्किम
3. अरुणाचल प्रदेश
4. असम

- म्यांमार के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं -
 1. अरुणाचल प्रदेश
 2. नागालैण्ड
 3. मणिपुर
 4. मिजोरम

अफगानिस्तान के साथ भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश सीमा बनाता है - (केवल 80 किमी POK)

- लद्दाख
- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी श्रीलंका को भारत से अलग करती है। पाक जलडमरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है।
- मेकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच में स्थित है। यह रेखा 1914 में शिमला सम्झौते में निर्धारित की गयी थी।
- डूण्ड रेखा 1893 में सर डूण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूण्ड रेखा स्थापित की गई थी। परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है। रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था।

सीमावर्ती सागर :-

- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आघार रेखा से 12nm तक स्थित है।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है।

1. संलग्न सागर :-

- संलग्न सागर क्षेत्र आघार रेखा से 24nm तक स्थित है।
- इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार हैं।

2. अनन्य आर्थिक क्षेत्र :-

- अनन्य आर्थिक क्षेत्र आघार रेखा से 200nm तक स्थित है।
- इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार हैं तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है।
- उच्च सागर यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है।

भारत में विदेशी क्षेत्रों का समावेश

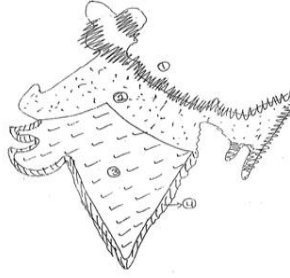
15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद फ्रांस एवं पुर्तगाल के अधीन कई क्षेत्रों का भारत में विलय हुआ है जो निम्न प्रकार से हैं।

भारत के भौगोलिक भू-भाग

(NCERT के अनुसार 6 प्रकार के हैं।)

भारत के भौगोलिक भू-भाग:-

1. हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तरी मैदान क्षेत्र
3. प्रायद्वीप पठार क्षेत्र
4. तटीय मैदान क्षेत्र
5. द्वीप समूह क्षेत्र



1. हिमालय पर्वतीय प्रदेश

- हिमालय का विस्तार भारत के उत्तर से उत्तर-पश्चिम (शिन्धु) से दक्षिण-पूर्व (ब्रह्मपुत्र) तक की ओर है। पूर्व-पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2400 किमी. है। इसकी चौड़ाई कश्मीर में 400 किमी. तथा अरुणाचल में 150 किमी. है।
- प्लेट विवर्तनी सिद्धान्त के अनुसार इंडियन एवं यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- इंडियन प्लेट टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- यह पर्वत तंत्र विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत तंत्र है, इसलिए इस तंत्र में बहुत से अल्पाइन हिमनद भी पाये जाते हैं।
- इस पर्वतीय प्रदेश को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है:-

A. ट्रांस/तिब्बत हिमालय :-

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का सबसे उत्तरी भाग ट्रांस हिमालय कहलाता है।

- यह मुख्य रूप से 'जम्मू-कश्मीर' व 'तिब्बत' में स्थित है।
- इस भाग में तीन प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती हैं:-
 - (i) काराकोरम श्रेणी:-
 - (ii) लद्दाख श्रेणी:-
 - (iii) जारकर श्रेणी:-

(i) काराकोरम श्रेणी :-

- ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी काराकोरम में स्थित है।

- ट्रांस हिमालय की सबसे लम्बी व ऊँची श्रेणी है।
- ट्रांस हिमालय में पंजाब संकीर्ण ले अर में क्रमशः कैलाश जारकर लद्दाख एवं काराकोरम श्रेणी स्थित है।
- हिम्ज लाइन या शुचर जोन हाउस एवं वृहत् हिमालय को अलग करती है।
- शेन हैउन ने काराकोरम श्रेणी को उच्च एशिया कि रीढ़ कहा है।
- 'माउण्ट गोडविन ऑस्टिन' इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है, जो भारत की सबसे ऊँची तथा विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है। (8611 किमी.)

(ii) लद्दाख श्रेणी

- काराकोरम श्रेणी के दक्षिण में स्थित।
- तिब्बत में इस श्रेणी का विस्तार 'कैलाश पर्वत' के नाम से जाना जाता है।
- राकापोशी (लद्दाख - शृंखला का सर्वोच्च शिखर) विश्व कि सबसे बड़ी ढल वाली चोटी है।

(iii) जारकर श्रेणी:-

- ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी।
- जारकर तथा लद्दाख श्रेणी के मध्य शिन्धु घाटी स्थित है।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पठार पर शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती हैं, इसलिए यह एक 'ठण्डे मरुस्थल' का उदाहरण है।

B. मुख्य हिमालय:-

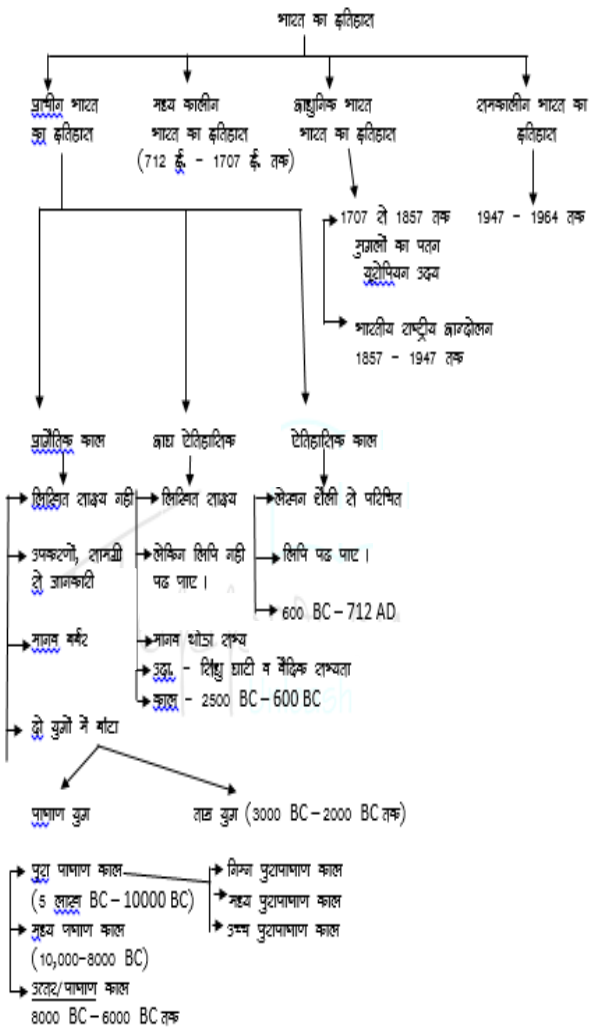
- यह पर्वतीय प्रदेश का दूसरा प्रमुख भाग है।
- यह भाग शिन्धु नदी घाटी से ब्रह्मपुत्र नदी घाटी तक स्थित है।
- यह लगभग 2500 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- इस श्रेणी में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848 मी.) स्थित है।
- माउण्ट एवरेस्ट नेपाल-चीन सीमा पर स्थित है।
- इसे नेपाल में सागरमाथा कहते हैं (माउण्ट एवरेस्ट को)
- जोजिला दर्रे का निर्माण शिन्धु नदी द्वारा शिपकीला का निर्माण सतलज नदी के द्वारा एवं जैलोजा का निर्माण तिस्ता नदी द्वारा हुआ है।
- बुर्जिल दर्रा श्रीनगर से गिलगिट को एवं शिपकीला दर्रा शिमला को तिब्बत से जोड़ता है।
- इस पर्वत पर बहुत से प्रमुख हिमनद स्थित हैं।
e.g.- गंगोत्री, यमुनोत्री, सतोपंथ, पिंडारी, मिलान

भारत का इतिहास

प्राचीन इतिहास

- इतिहास शब्द ग्रीक क्रथवा यूनानी भाषा के शब्द हिस्टोरिया से बना है जिसका अर्थ होता है खोज क्रथवा छानबीन ।
- इतिहास का संबंध अतीत की उन घटनाओं से है जिनका हमारे पास लिखित एवं प्रमाणित तिथि उपलब्ध है ।
- ग्रीका विद्वान हैरोडोटस ने इतिहास की प्रथम पुस्तक "हिस्टोरिका" लिखी ।
- हैरोडोटस को इतिहास का पिता कहा जाता है ।
- इतिहास को जानने के लिए निम्न स्रोत हैं -
 1. पुरातात्विक स्रोत
 2. साहित्य स्रोत
 3. विदेशी यात्रियों का यात्रा वृतांत

अध्ययन की दृष्टि से भारतीय इतिहास को हम निम्न प्रकार बांट सकते हैं ।



पुरापाषाण काल

- आधुनिक मानव होमोसैपियन्स का उदय ।
- मानव आग जलाना ।
- इस काल में चापर - चौपिंग संस्कृति का उदय, डी एन वाडिया ने खोज की, यह उत्तर भारतीय संस्कृति है ।
- दक्षिण भारत की संस्कृति हैण्ड - एकस संस्कृति है इसकी खोज रॉबर्ट ब्रुस फुट ने की ।
- चापर-चौपिंग एवं हैण्ड एकस संस्कृति (उत्तर एवं दक्षिण) मिलन स्थल चौतरान (जम्मू कश्मीर) है ।

प्रमुख स्थल

श्रीम बेटका - शैला शील चित्रों के प्रसिद्ध; डीडवाना (राजस्थान); हथनौरा

मध्य पाषाण काल

- इस काल को माइक्रोलिथ काल कहते हैं, छोटे - छोटे पाषाण उपकरणों के कारण ।
- भारत में इस काल का जनक CL क्लार्क ।
- मानव ने इस काल में सर्वप्रथम पशु पालन करना सीखा ।
- पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य हैं। बागौर (राजस्थान) एवं आदमगढ (MP) में पाये जाते हैं ।
- मध्य पाषाण काल का सबसे प्राचीन स्थल शराय नाहर (यूपी) है ।

उत्तर/नव पाषाण काल

- सर जॉन लुबाक ने नव पाषाण काल शब्द दिया ।
- गार्डन चाइल्ड ने इस काल को "नव पाषाणिक क्रांति" कहा ।
- सी मेंशियर ने उत्तर भारत में नव पाषाणिक उपकरण खोजे ।
- नेविलियन फ्रैंजर ने दक्षिण भारत से नव पाषाणिक उपकरण खोजे ।
- मानव ने कृषि करना सीखा ।
- वृहद पैमाने पर पशुपालन एवं ग्रामीण संस्कृति के साक्ष्य मिले ।

प्रमुख स्थल

1. मेहरगढ (पाक) - नव पाषाण काल का सबसे प्राचीन स्थल
8000 BC पूर्व कृषि के साथ साक्ष्य मिले ।
2. कोल्डी हवा - (यूपी) - 6000 वर्ष पूर्व चावल की खेती के साक्ष्य मिले ।
3. बुर्जहोम एवं गुपफकराल (J&K) बुर्जहोम से मानव के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य भी मिले हैं ।

नोट - प्रागऐतिहासिक काल के जनक भारत में डा. प्राइम रोज थे। जिन्होंने लिंगसुमुर (कर्नाटक) से पाषाण कालीन उपकरण खोजे थे। नव पाषाण काल में दक्षिण भारत की प्रमुख फसल रागी थी।

सिन्धु घाटी सभ्यता

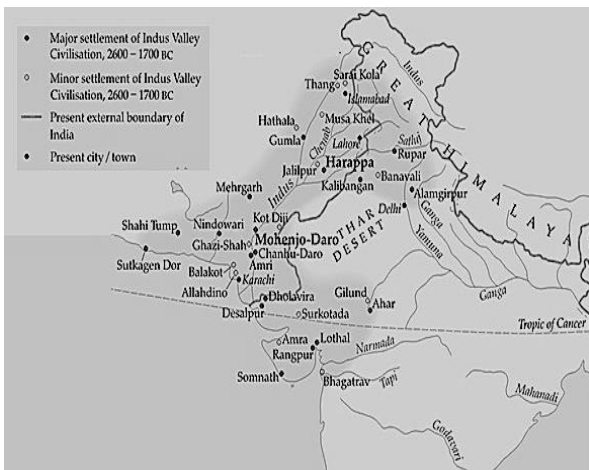
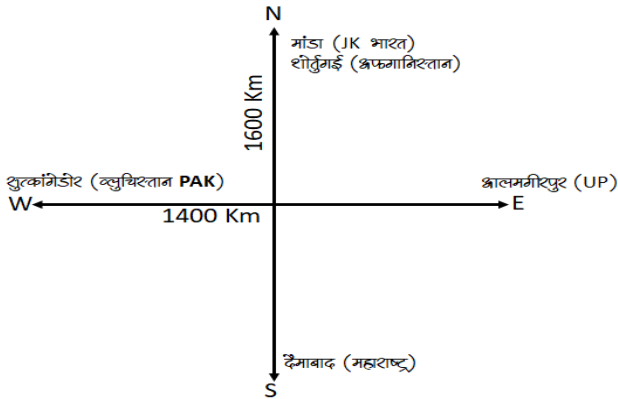
परिचय

हडप्पा सभ्यता

- चार्ल्स मैसन - 1826 ई. सबसे पहले सभ्यता की श्रौर ध्यान आकर्षित किया।
- जॉन ब्रंटन व विलियम ब्रंटन - 1856 ई हडप्पा नगर का सर्वे किया।
- कनिघम ने इस श्रौर दुनिया का ध्यान दिलाया, कनिघम को भारतीय पुरातात्विक विभाग का पितामह कहा जाता है।
- 1921 में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में दयाराम शाहनी ने इसका उत्खनन किया।
- सर्वप्रथम इस स्थल की खोज होने के कारण यह स्थल हडप्पा सभ्यता कहलाया।

अन्य नाम

सिन्धु घाटी सभ्यता
सरस्वती नदी घाटी सभ्यता
कांस्य युगीन सभ्यता
नगरीय सभ्यता



1300 किमी लम्बी सीमा

नोट

- अफगानिस्तान में सिन्धु घाटी सभ्यता के मात्र दो स्थल थे - शारतगोई एवं मुंडीगोक हैं।
- शारतगोई से नहरों द्वारा सिंचाई के साक्ष्य मिले हैं
- सिन्धु घाटी सभ्यता मेसोपोटामिया के सभ्यता से 12 गुना बड़ी थी जबकि मिश्र की सभ्यता से 20 गुना बड़ी थी।
- आजादी से पूर्व खोजे समस्त स्थल पाकिस्तान में चले गये। भारत में केवल दो स्थल रहे, रंगपुर (गुजरात) और रोपड (पंजाब)
- भारत का सबसे बड़ा स्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) है, दूसरा बड़ा स्थल धौला वीरा (गुजरात) है।
- पिगमट ने हडप्पा एवं मोहनजोदडो को सिन्धु सभ्यता की जूँडवा राजधानी बताया है।
- बडे नगर (पाकिस्तान)
 - गनेडीवाल
 - हडप्पा
 - मोहनजोदडो

निवासी

यहाँ से प्राप्त कंकालों के आधार पर चार प्रजातियों में बांटा जा सकता है।

1. भूमध्य सागरीय
2. अल्पाईन
3. मंगोलायड
4. प्रोटो आस्ट्रालायड

सर्वाधिक प्रजाति भूमध्य सागरीय प्रजाति मिली है।

नगर नियोजन

- नगर दो भागों में विभाजित - पश्चिमी भाग एवं पूर्वी भाग। पश्चिमी भाग दुर्ग था, पूर्वी भाग सामान्य नगर था।
- पश्चिमी भाग में प्रशासनिक लोग रहते थे। तथा पूर्वी भाग में जनसामान्य लोग रहते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता में पक्की ईंटों के मकान हैं।
- सिन्धु घाटी के समकालीन सभ्यताओं में इस विशेषता का अभाव।
- नगर परकोटे युक्त होते थे।
- घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की तरफ न खुलकर पीछे की तरफ खुलते थे। केवल लोथल में मुख्य सड़क की तरफ घरों के दरवाजे खुलते थे।
- कालीबंगा दोहरे परकोटे युक्त है जबकि चन्हुदडो में कोई परकोटा नहीं।
- धौलावीरा तीन भागों में विभक्त है। पश्चिमी, पूर्वी एवं मध्यम।
- लोथल एवं सुरकोटडा का पश्चिमी एवं पूर्वी भाग दोनों ही एक ही परकोटे से घिरे हुए हैं।

- नगर ग्रिड पद्धति पर आधारित थे अर्थात् शतरंज के बोर्ड की तरह सभी नगरों को बसाया था तथा सभी मार्ग समकोण पर काटते थे।
- सबसे चौड़ी सड़क 10 मीटर (मोहनजोदड़ो) की मिलती है जो सम्भवतः राजमार्ग रहा होगा।
- घरे में उत्कृष्ट नाली व्यवस्था (जल निकासी हेतु)
- बड़ी नालियों को ढक कर रखते थे।
- भवन के ऊपर सामान्यतः 3 या 4 कक्षा, स्लोईघर, 1 विद्यालय स्नानागार एवं कुशां होता था। कच्ची एवं पक्की ईंटों का प्रयोग करते थे। ईंट का आकार - 1 : 2 : 4
- जल निकासी हेतु पक्की ईंटों की नालियां होती थी विश्व की किसी अन्य सभ्यता में पक्की नालियों के साक्ष्य नहीं मिलते थे।

प्रमुख नगर

1. हडप्पा

पाकिस्तान के पंजाब के मोंटगोमरी जिले में स्थित (अब- शाहीवाल जिले में) रावी नदी के तट पर

- उत्खननकर्ता - दयाराम शाहनी
- रावी नदी के तट पर श्रमिकों के आवास एवं अनागार मिलते हैं।
- R-37 नामक कब्रिस्तान मिलता है। एक शव को ताबूत में दफनाया गया है, इसे विदेशी की कब्र कहते हैं।
- शंख का बना बैल व 18 वर्तकार चबूतरे मिले हैं।
- यहाँ से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहरें मिली हैं।
- 6 - 6 की पंक्ति में कुल 12 कमरों वाला आवास स्थल मिला है।
- एक स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ पौधा की मृणमूर्ति मिली है। सम्भवतः यह उर्वरता की देवी होगी।

2. मोहनजोदड़ो

- स्थिति = लस्काना (सिन्ध, PAK)
- सिन्धु नदी के तट पर
- उत्खननकर्ता = राखालदास बनर्जी
- मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ = मृतकों का टीला (सिन्धी भाषा)

(i) विशाल स्नानागार -

- (a) $11.88 \times 7.01 \times 2.43$ मीटर
- (b) सम्भवतया यहाँ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता रहा होगा ?
- (c) सर जॉन मार्शल ने इसे तात्कालिक समय की आश्चर्यजनक इमारत कहा है।

- (ii) विशाल अनागार सिन्धु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है। ल. 45.71×15.23 मीटर चौड़ी है।
- (iii) महाविद्यालय के साक्ष्य
- (iv) सूती कपड़े के साक्ष्य
- (v) हाथी का कपालखण्ड
- (vi) कांसा की नर्तकी की मूर्ति मिली है।
- (vii) पुरोहित राजा की मूर्ति जो ध्यान की अवस्था में है।
 - (a) इसने शॉल क्रोड रखी है जिस पर कशीदाकारी का कार्य किया गया है।
- (viii) यहाँ से मेसोपोटामिया की मुहर मिलती है।
- (ix) योगी की मूर्ति मिली है।
- (x) शिव की मूर्ति मिली है।
- (xi) बाढ़ से पतन के साक्ष्य मिलते हैं।
- (xii) सर्वाधिक मुहरें सिन्धु घाटी सभ्यता के यहाँ मिलती हैं।

3. लोथल

स्थिति = गुजरात

- भोगवा नदी के किनारे
- उत्खननकर्ता = S. R. राव (रंगनाथ राव)
- यह एक व्यापारिक नगर था।
- (i) यहाँ से गोदीवाडा (Dockyard) मिलता है
 - (a) यह सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी कृति है।
 - (ii) मनके (Bead) बनाने का कारखाना
 - (iii) चावल के साक्ष्य
 - (iv) फार्स की मुहर जो गोलाकार बटननुमा है
 - (v) घोड़े की मृणमूर्तियाँ
 - (vi) चक्की के दो पाट
 - (vii) घरों के दरवाजे मुख्य मार्ग पर खुलते हैं (एकमात्र)
 - (viii) छोटे दिशा सूचक यंत्र

4. सुरकोटडा / सुरकोटदा

- स्थिति = गुजरात
- (i) घोड़े की हड्डियाँ
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगो को घोड़े का ज्ञान नहीं था।

5. रोजदी (गुजरात)

हाथी के साक्ष्य

6. रोपड (PB)

- मनुष्य के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य

राजव्यवस्था

भारतीय राज्यव्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत में ब्रिटिश 1600 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के रूप में व्यापार करने के लिए आये थे इन्होंने भारत में व्यापार करने का एकमात्र अधिकार दिया गया था।

बक्सर के युद्ध (22 अक्टूबर, 1764) के बाद प्रथम बार 1765 में कम्पनी को बंगाल, बिहार व उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई।

दीवानी - दीवानी से तात्पर्य है राजस्व संग्रहण व नागरिक न्याय की शक्ति।

1773 का रेग्युलेशन एक्ट

- इसके माध्यम से बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल बनाया गया। उसकी सहायता के लिए 4 सदस्यीय कार्यकारी परिषद् बनाई गई। प्रथम गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स था।
- बॉम्बे एवं मद्रास के गवर्नरों को बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन लाया गया जो कि पहले स्वतंत्र थे।
- इसके माध्यम से 1774 में कलकत्ता में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीश थे।
- कम्पनी सर्वोच्च शक्ति (गवर्निंग बोडी) court of directors को राजस्व नागरिक व सैन्य रिपोर्ट नियमित रूप से ब्रिटिश सरकार को देने के लिए कहा गया। उक्त एक्ट का महत्व यह है कि प्रथम बार ब्रिटिश सरकार ने अपनी कम्पनी के राजनैतिक व प्रशासनिक महत्व को समझा तथा उसे नियमित व नियंत्रित करने का प्रयास करते हुए। भारत में केन्द्रीय प्रशासन की नींव रखी।

1784 का पिट्स इण्डिया एक्ट

- इसमें कम्पनी के वाणिज्य एवं राजनैतिक कार्यों को पृथक कर दिया गया।
- इसमें कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स निदेशक मण्डल को वाणिज्य कार्यों की छूट दी किन्तु राजनैतिक कार्यों के लिए board of central बनाया।
- भारत में स्थित सभी ब्रिटिश क्षेत्र तथा परिशम्पति के सैन्य एवं नागरिक कार्यों पर निर्देशन एवं पर्यवेक्षण की शक्ति बोर्ड ऑफ सेंट्रल नियंत्रक मण्डल को दी।
- प्रथम बार द्वैध शासन लागू किया Board of control व court of directors

- भारत में कंपनी के अधीन क्षेत्र को पहली बार ब्रिटिश आधिपत्य क्षेत्र कहा।

1833 चार्टर एक्ट

- बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बनाया गया। सारी नागरिक व सैन्य शक्ति उसमें निहित की गई। भारत के प्रथम गवर्नर जनरल विलियम बैंटिन थे।
- गवर्नर जनरल को विधायिका के असीमित अधिकार दिये। इनके द्वारा कानून नियामकों को कानून कहा गया तथा नये कानूनों के तहत बनाये गये कानूनों को अधिनियम या Act कहा गया।
- बम्बई व मद्रास के गवर्नरों से कानून बनाने की शक्ति छीन ली गई सारी शक्ति बंगाल में गठित थी।
- ईस्ट इण्डिया कम्पनी का स्वरूप बदला। यह व्यापारिक कम्पनी नहीं रही बल्कि प्रशासनिक संस्था बनाई गई जो ब्रिटेन के राजमुकुट की ओर से कार्य करेगी।
- प्रथम बार खुली प्रतियोगिता को भतियों में आघार बनाने का असफल प्रयास किया गया तथा भारतीयों को भी कम्पनी के पदों के उपयुक्त माना गया। इस एक्ट का महत्व यह है कि प्रथम बार भारत की सरकार की संकल्पना की गई तथा यह केन्द्रीकरण की तरफ एक निर्णायक कदम रहा।

1853 A.D. का चार्टर एक्ट

- इसमें प्रथम बार गवर्नर जनरल की परिषद् के विधायी और कार्यपालिका कार्यों को अलग किया तथा 6 नये सदस्य जोड़े गये जिन्हें विधायी पार्षद कहा गया। अर्थात् गवर्नर जनरल की एक विधान परिषद् बनाई गई जिसे भारतीय विधान परिषद् कहा गया यह एक छोटी ब्रिटिश संसद की तरह थी जिसमें वही प्रक्रियाएँ अपनाई जाती थी जो ब्रिटेन में अपनाई जाती थी।
- भारतीय केन्द्रीय विधान परिषद् में स्थानीय प्रतिनिधित्व प्रारम्भ किया।
- सिविल सेवकों की भर्ती हेतु खुली प्रतियोगिता प्रारम्भ दो प्रकार की सेवाये थी
 - उच्च Candidate से बात
 - निम्न Unconventade

इस एक्ट में उच्च सिविल सेवा भारतीयों के लिए खोल दी गई तथा एक्ट के प्रावधानों के तहत भारतीय सिविल सेवा के लिए 1854 में मैकाले समिति गठित की गई।

यद्यपि कम्पनी को आगे कार्य करने की अनुमति दी गई लेकिन निश्चित समयवधि नहीं दी गई।

1858 का भारत शासन अधिनियम

प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन के बाद भारत में ईस्ट इण्डिया कम्पनी का शासन समाप्त किया गया तथा शारी सत्ता ब्रिटिश राजमुकुट (क्राउन) के अन्तर्गत आ गई इस अधिनियम को act for the golden government of india भारत की इच्छा सरकार बनाने के लिए बनाया गया अधिनियम कहते हैं।

1. भारत का शासन ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के द्वारा चलाया जायेगा।
2. भारत के गवर्नर जनरल को भारत का वायसराय एवं गवर्नर जनरल कहा जाने लगा।
 - वह भारत में ब्रिटिश राजमुकुट का सीधा प्रतिनिधि था।
 - प्रथम वायसराय लार्ड कैनिंग था।
3. Board वह Control तथा Court of Director समाप्त का द्वैध शासन समाप्त कर दिया गया।
4. एक नये पद भारत का राज्य सचिव (Secretary of state for india) का सर्जन किया गया।
 - सम्पूर्ण सत्ता एवं नियंत्रण का दायित्व भारत के राज्य सचिव को दिया गया जो कि ब्रिटिश कैबिनेट का एक सदस्य होता था।
5. भारत सचिव की सहायता के लिए 15 सदस्य समिति बनाई गई।
 - इसमें सलाहकार कुछ सदस्य राजमुकुट की ओर से मनोनीत थे तथा कुछ मनोनयन (Nomination) Board of directors की तरफ से था। 15 सदस्यीय समिति का अध्यक्ष भारत का सचिव था।
6. यह समिति नियमित निकाय थी जिसे भारत एवं इंग्लैण्ड में मुकदमों में एक पक्ष बनाने का अधिकार था अर्थात् यह किसी पर मुकदमा कर सकती थी तथा इस पर मुकदमा किया जा सकता था। इनका ऑफिस ब्रिटेन में ही था।

1861 का भारत परिषद् अधिनियम

1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश सरकार को शासन में भारतीयों का सहयोग आवश्यक लगा अतः उक्त अधिनियम में निम्न प्रावधान किये गये।

1. वायसराय की विस्तारित परिषद् में गैर सरकारी सदस्यों के रूप में भारतीयों का नामांकन सम्भव हुआ। 1862 में प्रथम बार लार्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों - बनारस के राजा, पटियाला के राजा और दिनकर रात को नामांकित किया।
2. बम्बई और मद्रास प्रान्त को अपनी विधायी शक्तियाँ वापस मिली अर्थात् विकेन्द्रीकरण की दुबारा शुरुआत हुई।
3. इसके माध्यम से बंगाल उत्तर पश्चिम सीमा प्रान्त परिषदों का गठन हुआ।

4. इसमें वायसराय को परिषद् में कार्य संचालन के लिए अधिक नियम व आदेश बनाने की स्वतंत्रता दी।

1859 में लार्ड कैनिंग द्वारा प्रारम्भ की गई पोर्टफोलियो प्रणाली मंत्रालय को मान्यता दी अर्थात् वायसराय की परिषद् का कोई सदस्य एक या अधिक सरकारी का प्रभारी बनाया जा सकता था तथा उसे परिषद् के ओर से अन्तिम आदेश पारित करने का अधिकार था।

5. इसमें आपातकाल में वायसराय को विधायी परिषद् की सलाह के बिना आध्यादेश लागू करने की शक्ति दी जिसकी अवधि 8 माह थी।

1892 का भारत परिषद् अधिनियम

1. इसके माध्यम से केन्द्रीय और प्रान्तीय विधानपरिषदों में अतिरिक्त गैर सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई किन्तु बहुमत सरकारी सदस्यों का था।
2. इसमें विधानपरिषदों के कार्यों में वृद्धि की गई। जैसे - बजट पर चर्चा का अधिकार, कार्यपालिका से प्रश्न पूछने का अधिकार।
3. इसके माध्यम से भारतीय विधानपरिषद् के गैर सरकारी सदस्यों का माननीय प्रान्तीय विधान परिषद् तथा बंगाल चैम्बर्स ऑफ के माध्यम से तथा प्रान्तीय विधान परिषदों के गैर सरकारी सदस्यों का मनोनयन विश्वविद्यालय जिला बोर्ड व्यापार संघ नगरपालिका तथा जमींदारों के द्वारा किया जाना था। अन्तिम निर्णय वायसराय गवर्नर का होता था।

यद्यपि उक्त अधिनियम में चुनाव शब्द का प्रयोग नहीं हुआ किन्तु केन्द्रीय और प्रान्तीय विधानपरिषदों में गैर सरकारी सदस्यों के लिए एक समिति एवं श्रुत्यक्ष मतदान का प्रयोग किया गया।

1909 का भारत शासन अधिनियम

इसे मॉर्ले-मिंटो सुधार कहते हैं।

लार्ड मॉर्ले भारत सचिव था तथा लार्ड मिंटो भारत का वायसराय था।

विशेषता

1. इसमें केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदों की संख्या में काफी वृद्धि की गई (60)। राज्यों में संख्या अलग अलग थी।
2. केन्द्रीय विधानपरिषदों में सरकारी बहुमत रखा गया किन्तु प्रान्तों में गैर सरकारी बहुमत की अनुमति दे दी गई।

3. विधानपरिषदों की चर्चा सम्बन्धी अधिकारोंमें दोनों स्तरों पर वृद्धि हुई जैसे - पूरक प्रश्न पूछना, बजट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करना आदि ।
4. प्रथम बार भारतीयों को वायसराय व गवर्नर की कार्यकारी परिषद् के सदस्य बनने की अनुमति मिली सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा प्रथम भारतीय थे जिन्हें वायसराय की कार्यकारी परिषद् में विधि सदस्य बनाया गया ।
5. मुस्लिमों के लिए साम्प्रदायिक आघार पर प्रतिनिधित्व का सिद्धान्त दिया गया जिसके लिए पृथक निर्वाचक दल Separate Electorate की बात की गई ।

1919 का भारत शासन अधिनियम

20 अगस्त 1917 को ब्रिटिश सरकार ने प्रथम बार घोषित किया कि उत्तका ध्येय भारत में एक उत्तरदायी शासन की स्थापना करना है जो कि ब्रिटिश साम्राज्य के अखण्डनीय अंग की तरह होगा ।

- इसी आघार पर 1919 में भारत शासन अधिनियम लाया गया जिसे मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार भी कहते हैं ।
- मॉन्टेग्यू भारत सचिव था तथा चेम्सफोर्ड भारत का वायसराय था (मोन्ट फोर्ड एक्ट)।

विशेषता

1. केन्द्रीय व प्रांतीय विषयों की अलग अलग सूची बनाई गई जिससे केन्द्र का राज्यों पर नियंत्रण कुछ कम हुआ । यद्यपि राज्यों का अपनी सूची पर विधान बनाने का अधिकार था किन्तु सरकार का ढाँचा केन्द्रीय और एकात्मक हो रहा है ।
2. प्रांतीय विषयों को दो भागों में बाँटा गया -
 - अरक्षित और हस्तान्तरित ।
 - हस्तान्तरित विषयों पर गवर्नर विधायिका के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों के माध्यम से शासन करेगा ।
 - अरक्षित विषयों का शासन गवर्नर अपनी कार्यकारी परिषद् के माध्यम से बिना विधायी परिषद् के हस्तक्षेप के करेगा अर्थात् यह एक द्वैध शासन था ।
 - विधायिका में बहुमत गैर सरकारी सदस्यों का था ।
3. इस अधिनियम में पहली बार द्वि-सदनीय व्यवस्था व प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रारम्भ हुआ । इस प्रकार भारतीय विधानपरिषद् के दो सदन थे - लेजिस्लेटिव असेम्बली (लोकसभा) व काउन्सिल ऑफ स्टेट (राज्यसभा) दोनों सदनों के बहुसंख्यक

सदस्य सीधे चुनाव के द्वारा चुने जाते थे । महिलाओं को मताधिकार नहीं दिया गया ।

4. शिक्षा कर और सम्पत्ति के आघार पर मताधिकार दिया गया ।
5. वायसराय की कार्यकारी परिषद् के 6 सदस्यों में से कमांडर इन चीफ को छोड़कर तीन सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक था । इसमें मुस्लिमों के अतिरिक्त सिक्ख भारतीय, ईसाई एंग्लो इण्डियन व यूरोपीय लोगों के लिए भी पृथक निर्वाचन क्षेत्र का प्रावधान किया ।
6. लन्दन में भारतीय उच्चायुक्त का पद सृजन किया तथा भारत सचिव के कुछ गैर कार्यों को उच्चायुक्त को स्थानान्तरित किया ।
7. एक लोकसेवा आयोग का प्रावधान किया गया । उच्च नागरिक सेवाओं के लिए गठित ली आयोग की सिफारिशों के आघार पर 1926 में सिविल सेवकों की भर्ती हेतु एक केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया ।
8. केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग किया गया तथा राज्य विधानसभाओं को अपना बजट स्वयं बनाने के अधिकार दिये गये ।
9. इसके अन्तर्गत एक वैधानिक आयोग के गठन का प्रस्ताव था जो कि 10 वर्ष के उपरान्त भारत की शासन प्रणाली का अध्ययन करेगा ।

कमियाँ

1. कोई भी प्रांतीय दल गवर्नर की स्वीकृति के बाद वायसराय की अनुमति के लिए सेवा जा सकता था ।
2. यद्यपि प्रांतों को अपने विषयों पर कानून बनाने का तथा टैक्स लगाने का अधिकार दिया गया था किन्तु यह संघात्मक शक्ति वितरण नहीं था क्योंकि यह पृथक केन्द्र, द्वारा प्रत्यायोजन के आघार पर दी गई थी ।
 - केन्द्रीय विधानपरिषद् भारत के किसी भी हिस्से के लिए किसी भी विषय पर कानून बना सकती थी ।
3. केन्द्र में उत्तरदायी सरकार की स्थापना नहीं थी । वायसराय भारत सचिव का अधिकार गवर्नर जनरल के पास था ।
4. अधिकांश विषयों पर गवर्नर जनरल की अनुमति के बिना चर्चा नहीं की जा सकती थी ।
5. वित्त एक अरक्षित विषय था जो कार्यकारी परिषद् के सदस्य के अधीन था अतः धन की समस्या के कारण कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पाता था ।

6. ICS के सभी सदस्य जिनके माध्यम से मंत्रियों को अपनी नीतियाँ क्रियान्वित करनी थी, वे भारत सचिव द्वारा भर्ती किये जाते थे तथा मंत्रियों के स्थान पर भारत सचिव के लिए उत्तरदायी थे।
7. भारत शासन अधिनियम 1919 द्वारा भारत में पहली बार महिलाओं को मताधिकार मिला माण्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार द्वारा इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री उस समय लॉयड जार्ज था।

1920 A.D. ने मद्रास में सबसे पहले महिलाओं को मताधिकार दिया गया।

नोट -

भारत शासन अधिनियम 1935

1. इसमें एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना की व्यवस्था की गई जिससे प्रान्तों और रियासतों को सम्मिलित किया तीन सूचियाँ बनाई गई।
 1. केन्द्रीय सूची 59 विषय
 2. प्रांतीय सूची 54 विषय
 3. समवर्ती सूची 36 विषय तथा अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दी गई।
 यह संघीय व्यवस्था कभी अस्तित्व में नहीं आई क्योंकि देशी रियासतों ने इनमें शामिल होने से मना कर दिया।
2. प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी गई तथा प्रांतीय स्वायत्तता प्रारम्भ हुई राज्य सूची के विषयों में स्वतंत्रता दी गई उत्तरदायी सरकार की स्थापना हुई क्योंकि गवर्नर को मंत्रियों की सलाह के अनुसार कार्य करना था जो कि प्रांतीय विधायिका के लिए जबाबदेही थे।
3. संघीय स्तर पर द्वैध शासन प्रारम्भ हुआ।
 - संघीय विषयों को आरक्षित एवं हस्तान्तरित में विभक्त किया गया।
 - भारतीय विषयों के लिए कार्यकारी पार्षदों जिनकी अधिकतम संख्या 3 निर्धारित थी के माध्यम से गवर्नर जनरल को शासन अधिकतम 10 मंत्रियों के द्वारा किया जाना था जो कि विधानपरिषद् के लिए उत्तरदायी थे।
4. इसमें 11 में से 6 प्रान्तों में द्विशतनात्मक प्रणाली प्रारम्भ की
 1. बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, आराम, बिहार, संयुक्त प्रान्त उच्च सदन को विधानपरिषद् (लेजिस्लेटिव काउंसिल) कहा व निम्न सदन को विधानसभा (लेजिस्लेटिव असेम्बली) कहा।
5. साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाया गया। दलित महिलाओं एवं मजदूरों को पृथक निर्वाचन क्षेत्र दिये गये।
6. 1858 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित भारत सचिव की भारत परिषद् को समाप्त कर

दिया गया तथा उसके स्थान पर सलाहकारों का एक दल उपलब्ध करवाया गया।

7. मताधिकार का विस्तार किया गया लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या को मताधिकार दिया गया।
8. संघीय लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया साथ ही संयुक्त लोक सेवा आयोग तथा प्रांतीय लोक सेवा आयोग का भी प्रावधान किया गया।
9. भारत की मुद्रा व शाख नियंत्रण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना की गयी।
10. संघीय न्यायालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया जो 1937 में गठित हुआ। इसकी स्थापना अन्तर्राष्ट्रीय विवादों तथा संविधान (1935 अधिनियम) की व्याख्या हेतु की गई जिसकी अपील लंदन में त्रिणी काउंसिल में की जा सकती है। महिलाओं को मताधिकार दिया गया।

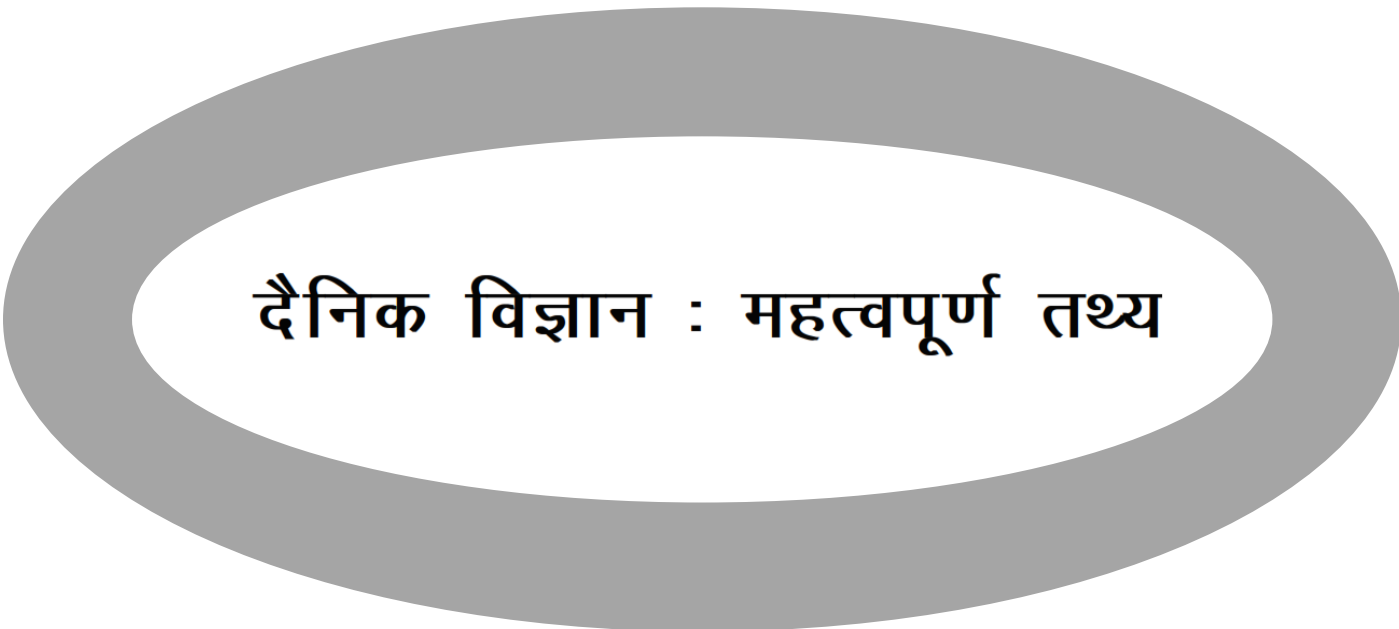
भारत शासन अधिनियम 1947

3 जुलाई 1947 को भारत के वायसराय माउन्ट बेटन ने विभाजन का प्रस्ताव रखा जिसे माउन्ट बेटन योजना कहते हैं।

कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों के द्वारा यह स्वीकार कर लिया गया।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 बनाकर इसे लागू किया गया इसकी निम्न विशेषताएँ थी -

1. भारत में ब्रिटिश राज समाप्त हुआ तथा भारत को 15 अगस्त 1947 से स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राष्ट्र घोषित किया गया।
2. इसमें भारत का विभाजन कर भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र डोमिनियन बनाये जिन्हें ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल से अलग होने की स्वतंत्रता थी।
3. इसने वायसराय का पद समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर दोनों डोमिनियन के लिए अलग अलग गवर्नर जनरल का प्रावधान किया जिसकी नियुक्ति डोमिनियन कैबिनेट की सिफारिश पर राजमुकुट को करनी थी। ब्रिटेन की सरकार पर भारत या पाकिस्तान की सरकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं था।
4. इसके माध्यम से दोनों देशों की संविधान निर्मात्री सभा को अपनी इच्छानुसार संविधान बनाने एवं लागू करने का अधिकार मिला साथ ही ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कियी भी कानून को रद्द करने का अधिकार मिला।
5. इसने दोनों देशों की संविधान सभा को प्राधिकृत किया कि जब तक नया संविधान लागू नहीं हो जाता तब तक अपने अपने क्षेत्र के लिए ये कानून बनाने का कार्य कर सकेगी। 15 अगस्त 1947 के बाद ब्रिटिश संसद द्वारा घोषित पारित कोई भी



दैनिक विज्ञान : महत्वपूर्ण तथ्य

दैनिक विज्ञान महत्वपूर्ण तथ्य

1. कार्बन डेटिंग विधि जीवाश्मों की आयु निर्धारित करने के लिए अपनाई जाती है।
2. श्रत्यधिक शराब का सेवन करने से शरीर में यकृत विशेष रूप से प्रभावित होता है।
3. शरीर में प्लीहा रक्त बैंक का काम करता है।
4. हरे पौधों में प्रकाश संश्लेषण की इकाई क्वाण्टोसोम कहलाती है।
5. शरीर में रक्त की सफेद कणिकाओं का मुख्य कार्य शरीर को बीमारियों से बचाना होता है।
6. मछली के हृदय में दो प्रकोष्ठ होते हैं।
7. मानव शरीर में रक्त से श्रवांछनीय पदार्थों को पृथक करने का कार्य वृक्क करता है।
8. चालीस वर्ष पूरे हो जाने पर चर्चित "श्रप्सरा" एक नाभिकीय रियेक्टर है।
9. डायनमो का कार्य यांत्रिक ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करना है।
10. पिचब्लेण्टी से रेडियम तत्व प्राप्त किया गया था।
11. गिरगिट की त्वचा में रंग बदलने का कारण उसकी त्वचा में मेलेनोफोर नामक श्रसंख्य रंगद्रव्य कोशिकाओं की उपस्थिति है।
12. प्रकृति में सबसे अधिक मात्रा में पाए जाने वाला कार्बनिक यौगिक सेल्यूलोज है।
13. वृद्धावस्था का श्रध्ययन विज्ञान की जिरैन्टोलॉजी शाखा के श्रतर्गत किया जाता है।
14. डोलोमाइट कैल्शियम का श्रयस्क है।
15. खट्टे फलों में विटामिन बी (B6) पाया जाता है।
16. ध्वनि की तीव्रता मापने वाला यंत्र श्रॉडियोमीटर कहलाता है।
17. दूध का खट्टा होना जीवाणुओं के कारण होता है।
18. श्वेत प्रकाश के वर्णक्रम में प्रिज्म द्वारा सर्वाधिक विचलित होने वाला रंग बैंगनी रंग है।
19. रेफ्रीजरेटर में प्रशीतक फ्रेऑन गैस होती है।
20. दूध से दही बनाने में लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया सहायक होता है।
21. वृक्क के कार्य न करने पर डाइलेसिस किया जाता है।
22. मनुष्य के मस्तिष्क का सबसे बड़ा भाग प्रमस्तिष्क होता है।
23. साइफल चलाने पर लगने वाला झटका रेखीय श्रवेग के संरक्षण का उदाहरण है।
24. प्रयोगशाला में सर्वप्रथम जीन का संश्लेषण करने वाले वैज्ञानिक हरगोविन्द खुराना थे।
25. चन्द्रमा पर वायुमण्डल न होने का कारण वहाँ सभी गैसों का वर्ग माध्य मूल वेग उनके पलायन वेग से श्रधिक है।
26. क्लोशाला कोशिकीय शैवाल का उपयोग श्रन्तरिक्ष में खाद्य की श्रमुचित पूर्ति के लिए किया जाता है।
27. प्राकृतिक रबर श्राइसोप्रीन का बहुलक है।
28. द्रव्य की चौथी श्रवस्था प्लाज्मा कहलाती है।
29. प्रत्यावर्ती धारा की माप तप्त तार श्रमीटर से की जाती है।
30. प्रकाश तरंगों के ध्रुवन गुण से उनके श्रनुप्रस्थ होने का प्रमाण मिलता है।
31. एक वृत्ताकार वलय का गुणत्व केन्द्र वलय वृत्त के केन्द्र पर होता है।
32. मानव रक्त का pH मान 7.4 होता है।
33. खनिज संश्रयना की दृष्टि से हीरा कार्बन होता है।
34. ग्रह गति का श्रिद्धान्त केप्लर ने प्रतिपादित किया।
35. हाइड्रोजन बम नाभिकीय संलयन श्रिद्धान्त पर श्राधारित है।
36. प्रोटॉन की खोज रदरफोर्ड ने की थी।
37. पानी पृथ्वी पर तीनों श्रवस्थाओं में पाया जाता है।
38. हिरे के श्रम्बन्ध में कैंरेट हिरे के भार का मात्रक होता है।
39. गैल्वेनीकृत लोहे पर जिंक का लेप होता है।
40. भारत में 28 फरवरी को विज्ञान दिवस टी.वी.रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज करने के दिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
41. 7 नवम्बर, 1888 को भारत के महान वैज्ञानिक टी. वी. रमन का जन्मदिन है।
42. श्रायोडीन युक्त नमक का प्रयोग गलगण्ड बीमारी की श्रोकथाम के लिए किया जाता है।
43. विद्युत मोटर का कार्य विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करना है।
44. पृथ्वी का श्रौसत घनत्व 5.5 ग्राम/घन सेंटीमीटर है।
45. सूर्य सदैव पूर्व में निकलता है, क्योंकि पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की श्रोर घूमती है।
46. पौधों में वाष्पोत्सर्जन दर के निर्धारण के लिए पोटीमीटर यंत्र का उपयोग किया जाता है।
47. रेड लेड का रासायनिक सूत्र Pb_3O_4 है।
48. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
49. Dark Avenger एक प्रकार का प्रमुख कम्प्यूटर वायरस है।
50. फाइकोलॉजी के तहत विज्ञान की शैवाल शाखा का श्रध्ययन किया जाता है।
51. विटामिन B₁₂ में कोबाल्ट पाया जाता है।
52. मेनिजाइटिस (तानिका शोध) नामक रोग से शरीर में मस्तिष्क प्रभावित होता है।
53. मानव शरीर में रक्त का थक्का नहीं बनने का प्रमुख कारण हिपेरिन की उपस्थिति है।
54. चाय बनाने के लिए विद्युत द्वारा केतली में पानी संवहन विधि द्वारा गर्म होता है।

55. वृद्धों के चिकित्साशास्त्रीय अध्ययन को गैरियाट्रिक्स कहा जाता है।
56. हाइपोग्लाइसेमिया नामक रोग रक्त में ग्लूकोस की कमी से होता है।
57. एच.टी.एल.वी.-॥ नामक वायरस से एड्स रोग फैलता है।
58. मानव शरीर में सबसे छोटी ग्रंथि पिट्यूटरी है।
59. एन्जाइम मूलतः प्रोटीन है।
60. पित्त का निर्माण शरीर के यकृत में होता है।
61. कृष्ण छिद्र (Black Hole) सिद्धान्त का प्रतिपादन एच. चन्द्रशेखर ने किया था।
62. साइनोकोवालमिन विटामिन B12 है।
63. टेट्रा इथाइल लैंड पेट्रोल में एन्टीनॉकिंग रेटिंग (अपस्फोटन की दर) को बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है।
64. हृदि की चमक पूर्ण आन्तरिक परावर्तन के कारण होती है।
65. आपेक्षिक श्रद्धता हाइड्रोमीटर द्वारा मापी जाती है।
66. रेटिना पर बनने वाला प्रतिबिम्ब वास्तविक, उल्टा तथा वस्तु से छोटा होता है।
67. पोलिया का टीका सर्वप्रथम जोन्स साल्क ने तैयार किया था।
68. गोबर गैस का मुख्य संघटक मीथेन है।
69. न्यूटन/किग्रा त्वरण भौतिक राशि का मात्रक है।
70. गॉयटर नामक रोग शरीर में आयोडीन की कमी के कारण होता है।
71. वाइरोलॉजी में विषाणुओं का अध्ययन किया जाता है।
72. विटामिन C का रासायनिक नाम एस्कॉर्बिक अम्ल है।
73. सामान्य व्यक्ति का अनुशीलक रक्त दाब 80 मिलीमीटर पारे के बराबर होता है।
74. कैलोमल मरक्युरिक सल्फाइड होता है।
75. शिन्दूर का रासायनिक नाम लैंड टेट्राऑक्साइड मरक्युरिक सल्फाइड है।
76. 'झूठा सोना' प्रकृति में पाया जाने वाला आयरन सल्फाइड अथवा आयरन पाइराइट्स कहलाता है।
77. पेन्क्रियाटिक जूस में पाया जाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन है।
78. श्रॉतों में प्रोटीनों को अमीनो अम्ल में अपघटित करने में पेप्सिन एन्जाइम उत्प्रेरक होता है।
79. एस्ट्रो-डी ब्रह्माण्ड के विकास का अध्ययन करने वाला जापानी एक्स रे उपग्रह है।
80. ध्रुवतारे के पृथ्वी के घूर्णन अक्ष की दिशा में स्थित होने के कारण ध्रुवतारा एक ही स्थान पर दिखाई देता है।
81. मानव हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 72 बार स्पंदन करता है।
82. सिफ़नोमैनोमीटर नामक यंत्र से रक्त दाब मापते हैं


83. सन् 1902 में कार्ल लैण्डस्टीनर ने रक्त समूह की खोज की थी।
84. प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण समुद्र का जल नीला दिखाई देता है।
85. प्रोटीन नाइट्रोजन गैस का प्रमुख यौगिक है।
86. इथोल्सॉजी में जानवरों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।
87. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली विश्व की प्रथम महिला विज्ञान के क्षेत्र में मैडम क्यूरी (1930) थी।
88. जहाज के डूबे हुए भाग से हटाए गए पानी का भार सम्पूर्ण जहाज के बराबर होता है, इसलिए वह प्लवन करता है, सूई के द्वारा हटाए गए पानी का भार सूई के भार से कम होता है जिससे सूई पानी में डूब जाती है तथा जहाज पानी में तैरता रहता है।
89. भारत का स्वदेशी निर्मित दूसरी पीढ़ी का पहला उपग्रह इनरोट-2 है।
90. सूर्य के प्रकाश की सहायता से शरीर में विटामिन D का निर्माण होता है।
91. हैली पुच्छल तारा प्रति 76 वर्ष बाद दिखाई पड़ता है।
92. पराश्रव्य तरंगों की सहायता से चमगादड़ें रात में सुरक्षित उड़ती हैं।
93. HIV विषाणु से एड्स रोग होता है।
94. रक्त का थक्का जमाने में विटामिन K सहायक होती है।
95. एम्पियर सेकेण्ड आवेश की मात्रा का मात्रक है।
96. लॉफिंग गैस नाइट्रस ऑक्साइड है।
97. बाह्य चुम्बकीय प्रभावों से वैज्ञानिक यंत्रों की रक्षा लीह कवर में रखकर की जाती है।
98. परमाणु बिजली घरों में नाभिकीय संलयन प्रकार की अभिक्रिया होती है।
99. Y किरणों पर किरी प्रकाश का आवेश नहीं होता है।
100. शरीर का सम्पूर्ण रक्त वृक्क के माध्यम से सुरक्षित होता है।
101. हाइड्रोफाइट जलीय पौधों को कहते हैं।
102. दो समानतर दर्पणों के बीच रखी वस्तु के अनन्त प्रतिबिम्ब बनते हैं।
103. दो समानतर दर्पणों के बीच रखी वस्तु का सबसे अधिक चमकीला प्रतिबिम्ब दूसरा प्रतिबिम्ब होता है।
104. तेल का जल की सतह पर फैल जाने का कारण तेल का पृष्ठ तनाव जल की अपेक्षा कम होता है।
105. पेन्सिल लैंड ग्रेफाइट की बनी होती है।
106. सड़क पर चलने की अपेक्षा बर्फ पर चलना कठिन होता है क्योंकि बर्फ में सड़क की अपेक्षा घर्षण कम होता है।

107. लोलक घड़ियाँ गर्मियों में सुस्त हो जाती हैं क्योंकि लोलक की लम्बाई बढ़ जाती है जिससे घड़ी सुस्त हो जाती है।
108. ऊँचे स्थानों पर पानी 100° C से कम ताप पर उबलता है, क्योंकि वहाँ वायुमण्डलीय दाब कम होता है।
109. पीतल, जस्ता और तांबा की मिश्र धातु है।
110. मैरि के दाब ज्ञात करने वाला यंत्र मैरिमीटर कहलाता है।
111. भाभा एटॉमिक रिसर्च सेक्टर ट्रॉम्बे में स्थित है। पाँचवें नाभिकीय रिएक्टर का नाम ध्रुव है।
112. श्रमशायी रस में पाया जाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन है, जो प्रोटीन या पेप्टोन को छोटे पेप्टाइड्स में बदलता है।
113. मनुष्य में दाढ़ रोग के रोगकारक कवक का नाम माइक्रोस्पोरम है।
114. रक्वी नामक रोग विटामिन C के अभाव के कारण होता है।
115. सबसे भारी धातु श्रोत्रियम है।
116. विद्युत का सबसे अच्छा चालक चाँदी है।
117. पोटेशियम का अयस्क 'कार्नेलाइट' KCl, MgCl₂·6H₂O है।
118. यूरेनियम के नाभिकीय विघटन में अन्ततः सीसा प्राप्त होता है।
119. ध्वनि को मापने की इकाई डेसीबल है।
120. स्टेनलेस स्टील क्रोमियम, लोहा और निकेल धातुओं को मिश्रित करके बनाया जाता है।
121. मधुमेह के रोगी के पेशाब में शर्करा की अधिकता हो जाती है।
122. स्वचालित ब्रेक पाश्केल के नियम के आधारे पर बने हैं।
123. डी.एन.ए संश्लेषण का प्रतिपादन किशने किया था? उत्तर - कॉर्नबर्ग ने।
124. फोटोग्राफी में प्रयुक्त होने वाले हाइपो का रासायनिक नाम सोडियम थायो सल्फेट है।
125. भोपाल गैस दुर्घटना में मिथेन का रिसाव हुआ था इस गैस का पूरा नाम मिथाइल आइसो सायनेट CH₃NCO है।
126. गेहूँ का वैज्ञानिक नाम ट्रिटिकम ऐस्टिवम तथा ट्रिटिकम वल्गेयर है।
127. श्रोक्जेनोमीटर से पौधों की रेखीय वृद्धि दर मापी जाती है।
128. कमरे में रखे रेफ्रिजरेटर का दरवाजा खोलने से कमरे का ताप बढ़ जाता है।
129. मनुष्य की श्रव्यता की सीमा 20 हर्ट्ज़ से 20000 हर्ट्ज़ तक है।
130. हरा कशीश का रासायनिक सूत्र FeSO₄·7H₂O है।

131. कैलोमेल का रासायनिक नाम मरक्यूरस क्लोराइड है।
132. विद्युत तीव्रता का मात्रक न्यूटन/कूलॉम है।
133. विटामिन E का रासायनिक नाम टोकोफेरॉल है।
134. भारी जल ड्यूटीरियम ऑक्साइड (D₂O) है।
135. ट्रैकोना रोग श्लेष्म से सम्बन्धित रोग है।
136. हेपेटाइटिस-बी वायरस पीलिया रोग के लिए जिम्मेदार है।
137. एपिलेप्सी रोग का सम्बन्ध नाडी संस्थान से है।
138. AB रक्त समूह वाला व्यक्ति A, B, AB तथा O रक्त समूह के व्यक्ति से रक्त ग्रहण का शकता है।
139. चेचक के टीके की खोज एडवर्ड जेनर ने की थी।
140. दूध एक आदर्श आहार है, लेकिन इसमें आयतन एवं कॉपर तत्वों की कमी होती है।
141. शैलिंग प्रतिशत द्वारा मूंगफली में दानों का प्रतिशत ज्ञात किया जाता है।
142. शानेन बकरी को विश्व की दूध की रानी नाम से भी जाना जाता है।
143. हस्त चालित चारा काटने की मशीन में फ्लाई व्हील बलवां लोहे का बना होता है।
144. प्रति लीटर ग्राम भैंस के दूध से 90 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
145. मनुष्य के रक्त में लाल रंग का कारण हीमोग्लोबिन है।
146. मनुष्य में गैस्ट्रिक रस आमाशय से स्रावित होता है।
147. द श्रोडिजिन ऑफ स्पीशीज पुस्तक डॉविन ने लिखी थी।
148. प्रोसेसर की गति मेगाहर्ट्ज़ या गीगाहर्ट्ज़ में मापी जाती है।
149. डीटीपी का टीका बच्चों को टिटनेस, डिप्थीरिया तथा हूपिंग कफ से रक्षा के लिए लगाया जाता है।
150. वयस्क मनुष्य में हृदय चक्र का समय 0.8 सेकेण्ड होता है।
151. मछलियों में श्वसन हेतु क्लोम अंग होता है।
152. वाटसन व क्रिक को जीवविज्ञान में नोबल पुरस्कार डीएनए के उबल हैलीकल मॉडल की खोज के लिए दिया गया।
153. बैक्टीरिया की खोज एन्टोनी-वॉन- लुइवेन हॉक ने की थी।
154. विज्ञान की शाखा एग्रोस्टोलॉजी में घास का अध्ययन किया जाता है।
155. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
156. पीडियाट्रिकस का सम्बन्ध बच्चों के रोगों से है।

157. हाइपोम्लाइसेमिया रक्त में ग्लूकोस की कमी से होता है ।
158. हाइयोमीटर से आपेक्षिक शर्द्धता मापी जाती है ।
159. हाइड्रोमीटर यंत्र से आपेक्षिक घनत्व मापा जाता है ।
160. रासायनिक दृष्टि से चीनी कार्बोहाइड्रेट (शुक्रोज) है
161. पायराइट खनिज को बेक्कूफे का रौना कहा जाता है ।
162. एण्टीपायरेटिक दवा बुखार कम करने के लिए ली जाती है ।
163. मूत्र का पीला रंग यूरोक्रोम के कारण होता है ।
164. हाइपोकोण्ड्रिया अपने स्वास्थ्य के विषय में अरामान्य मानसिक चिन्ता की बीमारी है ।
165. नेत्रदान में रोगी में आँख के कॉर्निया भाग का प्रतिरोपण किया जाता है ।
166. पैलाग्रा रोग नियासिन की कमी के कारण होता है
167. चन्द्रमा के तल से आकाश का काला दिखना प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण होता है ।
168. खरश होने का कारण वायरस है ।
169. सामान्य स्थितियों में हृदय से जाने वाले रक्त का 24 प्रतिशत भाग शुद्ध होता है ।
170. नायलॉन प्लास्टिक के आविष्कारक कारोथर थे ।
171. रूटाइल टाइटेनियम का अयस्क है ।
172. लेड ऑक्साइड का व्यापारिक नाम लिथार्ज है ।
173. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड कोलाबा (महाराष्ट्र) में स्थित है ।
174. स्तनधारी प्राणियों में रक्त का सबसे अधिक तापमान क्ले में होता है ।
175. रेडियो एक्टिवता की इकाई बेक्युरेल है ।
176. ध्वनि से संबंधित विज्ञान एकोस्टिक कहलाता है ।
177. इलेक्ट्रॉन की विश्रम ऊर्जा 0.51 MeV होती है ।
178. प्रदीप्ति घनत्व का मात्रक लक्स (LUX) होता है ।
179. बादल का हवा में तैरने का कारण वायु की श्यानता एवं कम घनत्व है ।
180. जीवन के उद्भव का प्रथम वैज्ञानिक विवरण ए. आई. ओपेरिन ने प्रस्तुत किया ।
181. इन्सुलिन की खोज एफ. जी. बेपिंग्टन ने की थी ।
182. सुपर फॉस्फेट अर्शकों का सूत्र $Ca(H_2PO_4)_2$ है ।
183. पानी का अधिकतम घनत्व $4^\circ C$ पर होता है ।
184. ड्रॉप्सी की बीमारी के लिए श्राजजीमोब मिलावटी तेल उत्तरदायी है ।
185. हड्डियों में फॉस्फोरस, कैल्शियम फॉस्फेट के रूप में पाया जाता है ।
186. रोगी उपकरण द्वारा ध्वनि तरंगों का प्रयोग करके समुद्र की गहराई मापी जाती है ।
187. मूत्र में एल्युमिन जाने से वृक्क में गडबड होने की सम्भावना होती है ।

188. मैग्नीट से मैग्नेटों का दाब नापते हैं ।
189. पाइरोडॉक्सिन विटामिन B₆ का रासायनिक नाम है
190. चार अर्द्धआयुओं के पश्चात किसी रेडियो एक्टिव पदार्थ का 1/6 भाग विद्यतित रह जाएगा ।
191. शुष्कछिपाक विटामिन A की कमी के कारण होता है
192. सोडियम सिलिकेट को सोडियम का वाटर ग्लास कहा जाता है ।
193. चुम्बकीय दृष्टि से ऑक्सीजन अनुचुम्बकीय है ।
194. रदरफोर्ड ने भौतिकी में प्रोटॉन की खोज की थी ।
195. रक्त का थक्का हीमोफीलिया रोग में नहीं जमता ।
196. डीएनए (DNA) केन्द्रक में उपस्थित रहता है ।
197. अनुवांशिकता की भूमिका ग्रेगर जॉन मेण्डल ने निर्दिष्ट की थी ।
198. एक परमाणु द्रव्यमान इकाई (1 AMU) को पूर्ण रूप से ऊर्जा में परिवर्तित करने पर 931 MeV ऊर्जा मुक्त होती है ।
199. पानी में हवा का बुलबुला अवतल लेंस की भाँति कार्य करता है ।
200. इलेक्ट्रॉन-वोल्ट ऊर्जा का मात्रक है ।
201. शानुन के बुलबुले में रंग प्रकाश की घटना व्यतिकरण के कारण दिखाई देते हैं ।
202. गतिमान आवेश चुम्बकीय क्षेत्र तथा विद्युत क्षेत्र दोनों उत्पन्न करता है ।
203. डायनामाइट का आविष्कार अल्फ्रेड नोबेल ने किया था ।
204. किसी तारे का रंग तारे के ताप का परिचायक होता है ।
205. अर्जेंटाइट चाँदी का अयस्क है ।
206. दूध का pH का मान 6.6 होता है ।
207. मनुष्य के शरीर में पित्त यकृत में बनता है तथा गाल ब्लैडर में एकत्रित होता है ।
208. मानव शरीर की सबसे छोटी माँसपेशी स्टेपिडयस होती है ।
209. हिस्टोलॉजी में ऊतकों का अध्ययन किया जाता है ।
210. आयोडीन टिंचर आयोडीन का एल्कोहॉली विलयन होता है ।
211. रेडियो तरंगें वायुमण्डल के आयनमण्डल से परावर्तित होती हैं ।
212. टमाटर का रंग पकने पर क्रोमोप्लास्ट के कारण लाल हो जाता है ।
213. पारिस्थितिकी जीव व पर्यावरण के सह-सम्बन्धों से सम्बन्धित है ।
214. भारत में अन्तरिक्ष आयोग की स्थापना जून 1972 हुई ।
215. सर्वप्रथम कृत्रिम गर्भाधान भारत में सन् 1942 में प्राप्त किया गया ।
216. आई राइट विकलांगों का कम्प्यूटर है ।

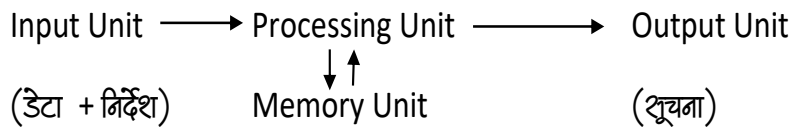


कम्प्यूटर

कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान

1. 'कम्प्यूटर' शब्द की उत्पत्ति 'comput' शब्द से हुई जिसका अर्थ होता है 'गणना करना' ।
2. अबेकस - प्राचीन समय में गिनती सिखाने वाले यंत्र को अबेकस कहते हैं ।
3. जॉन नेपियर ने लघुगणक विधि (Algorithm) का विकास किया ।
4. पास्कल कैल्कुलेटर पहला मशीन Calculator था जिसका आविष्कार पास्कल ब्लैज (france के गणितज्ञ) ने किया ।
5. एनियाक (ENIAC : Electronic Numerical Integrator and computer) इसे पहला डिजिटल computer भी कहा जाता है ।
6. चार्ल्स बैबेज को आधुनिक Computer का निर्माता या जनक कहते हैं ।
7. प्रथम पीढ़ी के Computer में निर्वात नलिकाएँ या निर्वात वाल्व (Vacuum Tubes or Vacuum Valves) उपयोग में लाए जाते थे ।
8. 1947 में बैल लेबोरेटरी (USA) के विलियम शॉकली ने 'ट्रांजिस्टर' (PNP या NPN अर्द्धचालक युक्ति) का विकास किया ।
9. द्वितीय पीढ़ी में Vacuum tubes की जगह ट्रांजिस्टरों के उपयोग से Computer आकार में छोटे तथा सस्ते हो गए ।
10. तृतीय पीढ़ी में इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी के क्षेत्र में विकास के साथ एक छोटी सी सिलिकॉन चिप बनाना संभव हो गया ।
11. तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों के साथ ही डाटा को भंडारित करने के बाहरी डिवाइसेज जैसे - डिस्क, टेप आदि का विकास हुआ ।
12. चतुर्थ पीढ़ी के आविष्कार से पूरी सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट एक छोटी सी चिप आ गयी जिसे माइक्रोप्रोसेसर कहा जाता है ।
13. पंचम पीढ़ी में अल्ट्रा लार्ज स्केल IC (ULSIC) का प्रयोग प्रारंभ हुआ जिसमें एक छोटी चिप पर लाखों ट्रांजिस्टर के बराबर सर्किट बनाए गए ।
14. डिजिटल/अंकीय कम्प्यूटर में सूचनाओं व आँकड़ों को डिस्क्रीट रूप में निश्चित अंको 0 या 1 के रूप में निरूपित किया जाता है ।
15. एनालॉग या अनुरूप कम्प्यूटर वे Computer जिनमें विभिन्न भौतिक शक्तियों यथा दबाव, तापमान, लम्बाई आदि शतत रूप से परिवर्तित होती रहती हैं ।
16. सुपर computer की कार्य करने की क्षमता 500 मेगाफ्लाप से भी अधिक होती है ।
17. विश्व का पहला सुपर कम्प्यूटर के रिसर्च कम्पनी ने 1976 में 'CRAY-1' बनाया था ।
18. इसका कार्य दिए गए डाटा को प्रोसेस करके उससे आउटपुट रूप में सूचनाएँ निकालना होता है इसे CPU (Central Processing Unit) भी कहते हैं ।

19.



20. Memory को दो भागों में बाँटा जा सकता है ।

- 1) प्राथमिक या मुख्य मेमोरी
- 2) द्वितीयक या सहायक मेमोरी

21. CPU को Computer का मस्तिष्क या हृदय (Brain or heart) भी कहा जाता है ।

22. A.L.U (Arithmetic and Logic Unit) इस इकाई द्वारा एक computer में होने वाली सभी श्रृंखलात्मक तथा तार्किक गणनाएँ की जाती हैं ।

23. AND, OR, NOT इत्यादि को कुलियन operator कहा जाता है जिनका प्रयोग logical गणना करने के लिए किया जाता है ।

24. Control unit, A.L.U. को गणना करने हेतु कई प्रकार के निर्देश प्रदान करती है ।

25. Computer में Process किए जाने वाले शब्द को Binary श्रृंखला के रूप में 0 या 1 होता है निरूपित किया जाता है ।

26. Computer में Memory की सबसे छोटी इकाई Bit (बिट) होती है ।

- 1 निबल = 4 Bit
- 1 बाइट = 8 Bit
- Ascending order (बढ़ते क्रम में)
 Bit < Byte < KB < MB < GB < TB < EB < ZB < YB

27. Input device data को Encode करने का भी कार्य करती है जिसकी सहायता से Data को Computer में Process किया जा सकता है ।

28. की बोर्ड एक Encoder की तरह काम करने वाली डिवाइस है जो Input किए गये Data को 0 या 1 बाइनरी श्रृंखला बदलने का कार्य करता है ।

29. Function Keys [F₁ से F₁₂] कुल = 12

30. टॉगल की (Toggle Key) => की बोर्ड में (On) तथा ऑफ (Off) विशेषता रखने वाले कुंजी को (Toggle Key) कहा जाता है ।

31. Num. Lock – Numeric pad पर उपस्थित Arrow Key को प्रयोग में लेने के लिए इस कुंजी का प्रयोग किया जाता है ।

32. Caps Lock – इस कुंजी का प्रयोग बड़े अक्षर को Input करने के लिए किया जाता है ।

33. Scroll Lock – इस कुंजी की सहायता से Document शीट को आगे और पीछे जाने वाले विशेषतः को रोकता जाता है ।

34. माउस में मुख्यतः दो या तीन बटन होते हैं जिसे दबाकर किसी कार्य को किया जाता है और इस क्रिया को क्लिक (Click) कहा जाता है ।

35. टच पैड – इस Pointing device का Use माउस के स्थान पर Laptop में किया जाता है ।

36. जॉयस्टिक - इस device का प्रयोग Painter को अधिक तेज गति से चलाने के लिए किया जाता है
 - इसका मुख्यतः प्रयोग computer game खेलने के लिए किया जाता है ।
37. लाइट पेन - इस device का प्रयोग डिजाइनिंग कार्यों के लिए किया जाता है इसलिए इसका प्रयोग CAD (Computer added design) के लिए किया जाता है ।
38. ट्रैक बॉल - इस device का प्रयोग मुख्यतः उस स्थान पर किया जाता है जहाँ कर्सर को चलाने के लिए अधिक जगह उपलब्ध नहीं होती है ।
39. स्कैनर (Scanner) device का प्रयोग एक hard copy को soft copy में बदलने के लिए किया जाता है ।
40. Biometric सेन्सर (बायोमेट्रिक सेन्सर) device का प्रयोग computer में मानव के विभिन्न जैविक अंगों के निशान को इनपुट करने के लिए किया जाता है ।
41. BCR (Barcode Reader) device का प्रयोग किसी वस्तु पर अंकित बार कोड में store की गई सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है ।
42. MICR (Magnetic Ink Character reader/Recognition) device का प्रयोग Bank में किया जाता है । इसकी सहायता से एक cheque पर चुम्बकीय स्याही से मुद्रित संख्याओं को Process किया जा सकता है ।
43. OCR (Optical Character Reader) device का प्रयोग एक प्रश्न पर Printed या हस्तलिखित अक्षरों को पढ़कर मशीन के समझने योग्य बनाने के लिए किया जाता है ।
44. Smart Card Reader device का प्रयोग स्मार्ट कार्ड (Credit/Debit) में Microchip तथा Magnetic Chip में store की गई सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है ।
45. Processor द्वारा प्रदान किए गए Output को यूजर के समझने योग्य बनाने की प्रक्रिया को डिकोड कहा जाता है ।
46. VDU (Visual display Unit), एक computer में सर्वाधिक प्रचलित Output device है जिसका प्रयोग computer द्वारा प्रदान किए गए Data को soft copy के रूप में दर्शाने के लिए किया जाता है ।
47. Plotter (प्लॉटर) एक Printer के समान कार्य करने वाले Output device है ।

Printer	
Impact	Non Impact
• Daisy wheel printer	• Ink Jet Printer
• DMP (Dot Matrix printer)	• Laser Printer
	• Thermal printer

48. Computer में प्रयोग की जाने वाली संख्या-पद्धति में निम्न चार संख्या पद्धतियों को प्रयुक्त किया जाता है -
 - द्विआधारी संख्या पद्धति (Binary number System) में मात्र दो अंकों 0,1 का ही इस्तेमाल करते हैं ।

- ऑक्टल (Octal) संख्या पद्धति में 0 से लेकर 7 तक कुल 8 संख्याओं का इस्तेमाल किया जाता है ।
 - डेसीमल संख्या पद्धति में 0,1,2,3,4,5,6,7,8,9 तक कुल 10 संख्याओं का इस्तेमाल किया जाता है ।
 - हेक्सा डेसीमल संख्या पद्धति (Hexadecimal Number System) में बाइनरी श्रृंखला को चार बाइनरी श्रृंखलाओं में बदला जाता है ।
49. आरबी आई (ASCII) (American standard code for Information Interchange) प्रकार की coding में Decimal संख्या को उसके Binary से परिभाषित किया जाता है ।
50. BCD (Binary coded decimal) प्रकार की Coding में Decimal संख्या के प्रत्येक श्रृंखला को 4 Binary bit में दर्शाया जाता है ।
51. EBCDIC (Extended Binary Coded decimal Interchange Code) प्रकार की Coding में decimal संख्या के प्रत्येक श्रृंखला को 8 Binary bit में दर्शाया जाता है ।
52. UNICODE (Universal Code) प्रकार की Coding का प्रयोग विश्व की विभिन्न भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले प्रतीकों को समान प्रकार की Coding प्रदान करने के लिए किया जाता है ।
53. संख्या परिवर्तन
- 1 बाइनरी से डेसीमल में बदलने के लिए बाइनरी संख्या के प्रत्येक श्रृंखला को उसके स्थानीय मान से गुणा करके प्राप्त किया जाता है ।
 - 2 डेसीमल से बाइनरी में बदलने के लिए दिए गए श्रृंखला को 2 से भाग देते हैं तथा शेषफल अलग लिखते जाते हैं ।

54.

कम्प्यूटर (Computer Hardware)		
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण Electronic Device	चुम्बकीय उपकरण Magnetic Device	यांत्रिक उपकरण Mechanical Device

55. Computer का वह भाग जहाँ पर डाटा पर कार्य किया जाता है Processing Unit कहलाती है ।
56. वर्तमान में पेंटियम 11 (P-11) व इंटेल पेंटियम - 111 (P-111) माइक्रोप्रोसेसर काम आ रहे हैं ।